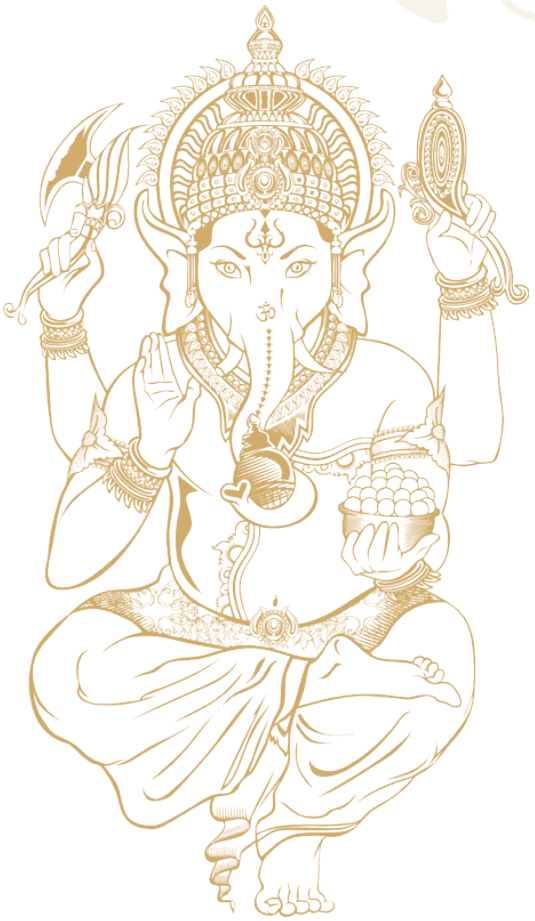

Pu Gitika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120884102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/11/1995	जन्म तिथि	14/06/1998
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 09:20:00	जन्म समय	11:55:00 घंटे
घटी 06:25:15	जन्म समय(घटी)	16:20:13 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:45:53	सूर्योदय	05:22:54
17:26:26	सूर्यास्त	19:19:48
23:48:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:00

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 3वर्ष 3मा 21दि		04:08:17	धनु	लग्न	सिंह	23:41:12	चन्द्र 3वर्ष 6मा 17दि	
राहु		01:31:14	वृश्चि	सूर्य	वृष	29:10:48	राहु	
10/03/2016		02:38:44	कन्या	चंद्र	मक	18:36:16	30/12/2008	
10/03/2034		26:51:49	वृश्चि	मंगल	वृष	21:00:42	31/12/2026	
राहु	21/11/2018	28:35:16	तुला	बुध	मिथु	04:05:18	राहु	12/09/2011
गुरु	16/04/2021	25:48:14	वृश्चि	गुरु	मीन	02:26:14	गुरु	05/02/2014
शनि	21/02/2024	24:31:06	वृश्चि	शुक्र	मेष	24:03:16	शनि	12/12/2016
बुध	09/09/2026	24:12:22	कुंभ व	शनि	मेष	06:38:50	बुध	01/07/2019
केतु	28/09/2027	02:25:19	तुला	राहु व	सिंह	10:06:45	केतु	19/07/2020
शुक्र	27/09/2030	02:25:19	मेष	केतु व	कुंभ	10:06:45	शुक्र	20/07/2023
सूर्य	22/08/2031	03:28:58	मक	हर्ष व	मक	18:36:25	सूर्य	12/06/2024
चन्द्र	20/02/2033	29:30:11	धनु	नेप व	मक	07:54:29	चन्द्र	12/12/2025
मंगल	10/03/2034	06:29:21	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	12:24:14	मंगल	31/12/2026

लग्न-चलित

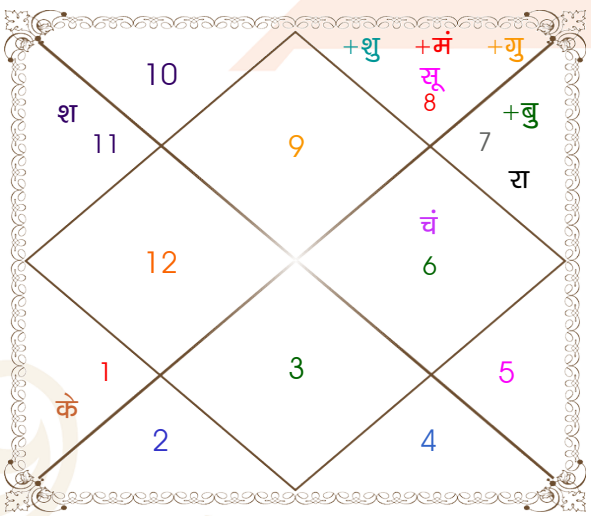

लग्न-चलित

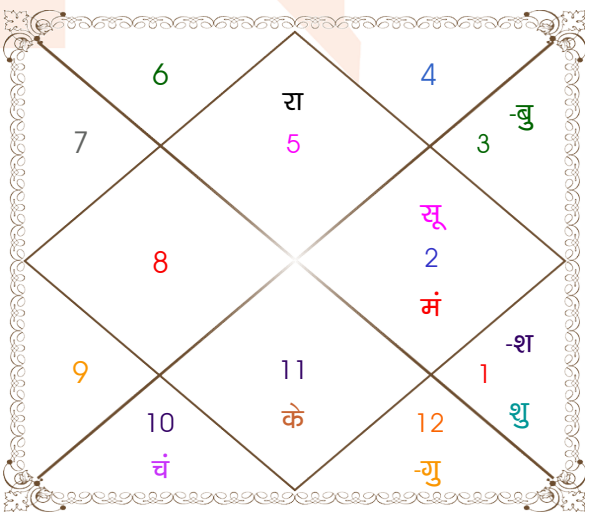

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

च्न का वर्ग श्वान है तथा ळपजपां का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्न और ळपजपां का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

च्न मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल च्न कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्न कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु च्न कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ळपजपां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

च्न तथा ळपजपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।